tHE tAKE oFF

A Karunya Trust Children Parliament Federation Publication

Vol.: 4 - Issue: 2 Dec 2019 | PRIVATE CIRCULATION ONLY | WE RISE BY LIFTING OTHERS...

Supported by Karunya Trust and Deutsche Bank

EDITORIAL BOARD

Savli CP Federation

Editorial Members:
Ratan Gupta,
Mayur Jawle
Bhumika Fansekar
Sumitra Panda
Akash Ahire
Nitesh Bhojiya
Rahul Sonawane

Gyansaathi CP Federation

Editorial Members:
Fareen
Musrat Shaikh
Ishrat Shaikh
Hasreen Haldar
Pinky Vishwakarma

Layout & Design
Roy Thomas

ज्ञानसाथी

बालविवाह

बालविवाह एक प्राचीन प्रथा है। इसमे लडके और लडकियों का विवाह किया जाता है जिस बच्चे कि उम्र १८ साल के नीचे होती है। उसे बाल विवाह कहा जाता है। बाल विवाह कराने से उस लडकी की जिन्दगी खराब हो जाती है। उसका लिखना पढना, खेलना, कुदना और आजादी से रहना सब बंद हो जाता है। पुराने जमाने में यही कही जाता है कि जैसे ही लड़की का जन्म होता है उसे घर का काम सिखाया जाए, ताकि दस बारह साल की उम्र मे उसकी शादी करा दी जा सकती है। अभी भी हमारे देश मे वही चल रहा है।

छोटी उम्र में ही शादी करा दी जाती है। शहरों से ज्यादा ग्रामीण भागों में होता है। लड़की का शारिरीक और मानसिक विकास नहीं हो पाता है। उसका स्वास्थ्य खराब हो जाता है। छोटी उम्र में ही उसके पाँच छह बच्चे हो जाते है । सभी माता पिता को अपनी बेटीयों की १८ साल से पहले शादी नहीं करनी चाहिये। अगर कही पर भी ऐसा दिखाई देता है कि कोई भी माता पिता अपनी बेटी की बालविवाह करा रहे है तो १०९८ पे कॉल करे।

मुसरत शैख

प्लास्टिक बंद

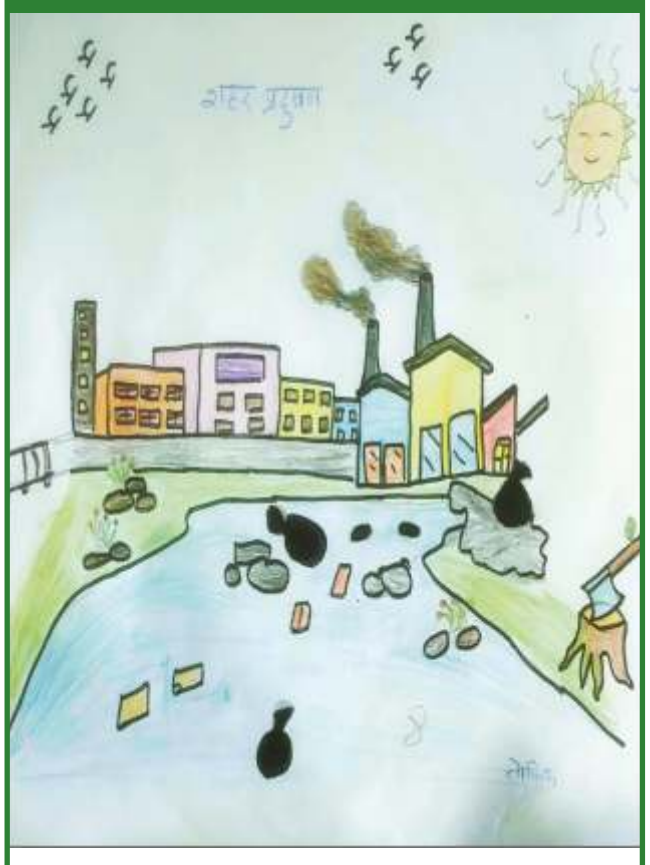

प्लास्टिक बंद होना हमारे लिए बहुत जरुरी है। प्लास्टिक से प्रदूषण फैलता है। अगर हम देखे तो कचरे में ज्यादा प्लास्टिक होता है और हम प्लास्टिक का उपयोग कम करेंगे तो शायद प्रदूषण कम हो सकता है। मनुष्य गन्दगी फैलाते है और उसका परिणाम पशु –पक्षीयों को भुगतना पढ़ता है। आज कल जानवर भोजन से ज्यादा प्लास्टिक खाते है। हम बिना प्लास्टिक के कुछ भी काम नहीं करते है। प्लास्टिक बंद करने के लिए हमें एक कदम आगे बढ़ना चाहिए ताकी हम प्रदूषण को रोक सके।

इशरत शैख

बाल यौन शोषण

बाल यौन शोषण हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या है। बाल यौन शोषण बहुत ही तेजी से हमारे देश में फैल रहा है। बाल यौन शोषन जिसके भी साथ होता है, उसे समाज नहीं अपनाता है और नही उसके घरवाले अपनाते है। उसे भला और बुरा कहते है। उसे समाज के लोग कोसते रहते है। हम यह सोचना चाहिए की ऐसा तो किसी के साथ भी हो सकता है। हमे उस हालात से लड़ना चाहिए और सभी को यह अहसास दिलाना चाहिये की बाल यौन शोषण किसके साथ भी हो सकता है। चाहे वह लड़का हो या लड़की द्य जब कोई भी आत्माहत्या करता है। तो समाज वाले यह सोच लेते है की शायद उसने ही कुछ गलत किया है। इसलिए उसने आत्महत्या किया। परन्तु ऐसा नहीं रहता है। इसलीये ऐसे बच्चो को हमेशा मदद करना चाहिए।

नसरीन हलदार

आरे बचाओ

वातावरण का दूषित होना आज सारे संसार में प्रदूषण की चर्चा है। प्रदूषण के तीन प्रकार है। वायु प्रदूषण ,जल प्रदूषण ,ध्वनी प्रदूषण। कुड़े कचरे सडने से दुर्गंध पैदा होती है। यह दुर्गंध हवा को दुषित करती है। इसी तरह कारखाने मोटर गाडियाँ आदि से जहरीला धुआँ निकलता है। पर अभी आरे में पेड़ पौधे कटाने की वजह से में मुंबई मई प्रदूषण का काटा बढ़ रहा है। जहाँ शासन पेड लगाओ कहते है, वहाँ आरे में बढ़ी मात्रा मे पेड़ो को काटा जा रहा है। आरे मुम्बई की शान है और आरे को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

पिंकी विश्वाकर्मा

Better Tomorrow

Make a better choice today because the healthy choices we make today determine our healthy future. A clean environment is necessary of human health and well-being. it is very important to understand the relationship between environment and human life. Exposure to the increasing environmental hazards is playing a toll on people's health currently every twelfth person in India is affected by diabetes; around forty million people in India can be effected by food allergies. Apart from this 30% of premature deaths are also linked with air pollution. the government of India is aware about the environmental problems but still nothing much is been done about it. the mind set of the people needs to change in India towards conserving our environment for a healthy life style for us and for the generations to come.

Bhumika fansekar

Eco-Friendly Life

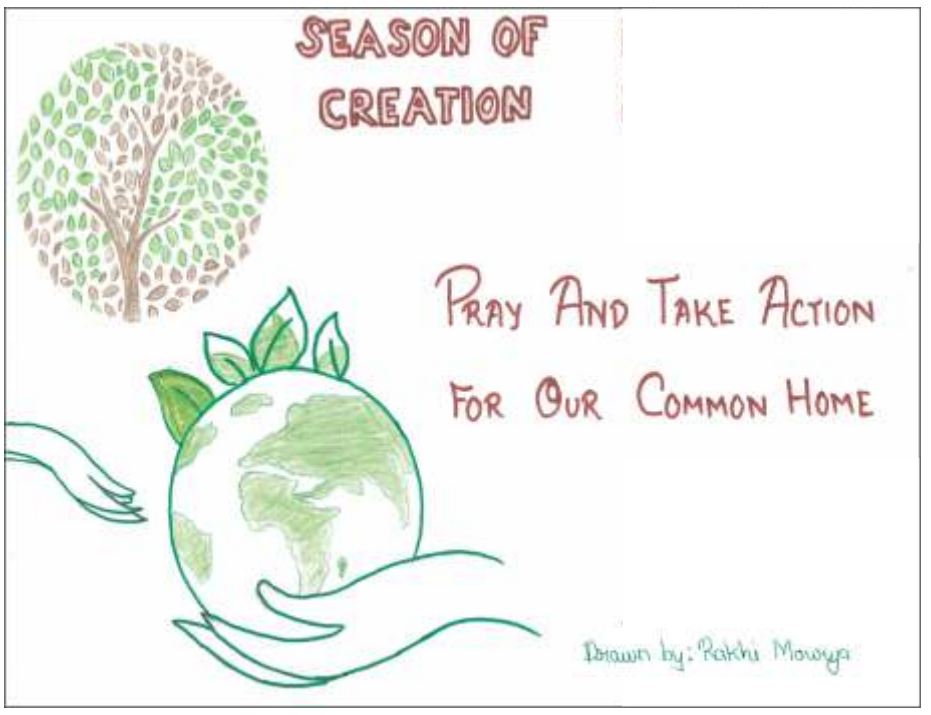

The Environment does not only mean surrounding. Environment refers to air, water and land and the interrelationship of all these factors with human beings. Environment and development cannot go against each other. They should be complementing each other. If all the resources on earth are utilized for development of the world without the thought of preserving them, soon the earth will turn into an uninhabitable place. For the development of a nation a huge amount of land is acquired which results in the cutting of trees. Another side effect of development is the non-renewable resources like fossil fuels, water and minerals are utilized faster before they are replenished. Global warming and depletion of resources affect the habitat of the world, leading to poor quality of life among humans.

Sumitra Panda

मेरा पर्यावरण

पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ के बीच संबध एक निर्विवाद सत्य है। स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ वायु,जल,अन्न तथा पेड़ पौधे अति आवश्यक तत्व है। पर्यावरण की गिरावट हमारे स्वास्थ्य के लिये नस्थकारक है। सुरक्षित तथा स्वस्थ वातावरण में रहने और काम करने का अधिकार हर एक व्यक्ति को है।

विकास के नाम से हमारी सरकार कुछ ऐसा काम कर रही है। जिससे आने वाली पीढीयो को बहुत सारी परेशानिया का सामना करना पड़ेगा। जिससे मानव जाती को नुकसान पहुचेगा हमारा देश विकास जरुर चाहता है। लेकिन साथ मे पर्यावरण की रक्षा करना भी चाहता है। पर्यावरण बचेगा, तो ही देश बचेगा। अगर हम देश के लिए कुछ करना चाहते है, तो हमें ऐसे कदम बढाने चाहिए जिससे हम पर्यावरण से जुड़ा हुआ विकास देख पाएंगे।

रतन गुप्ता

निर्माण का परिणाम

आजकल निर्माण उद्योग बड़ी शीघ्रता से उन्नति कर रहा है। जिस प्रकार से इमारतों की रूपरेखा और उनका निर्माण किया जा रहा है उससे हानिकारक पर्यावरण संकट उत्पन्न होता है। एक शोध के अनुसार निर्माण उद्योग ऊर्जा की खपत करने वाला तीसरा बड़ा उद्योग है। इस उद्योग द्वारा बढ़ते हुये शहरीकरण से पृथ्वी के तापमान में भी वृद्धि हो रही है। इसके अतिरिक्त इस उद्योग में प्रयुक्त सामग्रियाँ पर्यावरण को प्रदूषित करने लिये भी उत्तरदायी हैं। निर्माण सामग्रियों से संबंधित मुख्य वातावरण समस्या वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण की है। विभिन्न प्रकार की निर्माण प्रक्रियायें जैसे भू-उत्खनन, डीजल इंजन का चालन, इमारत विध्वंस तथा दहन आदि वायु प्रदूषण के कारण हैं। विभिन्न निर्माण सामग्रियों यथा कंक्रीट सीमेंट एवं सिलिका पत्थर आदि के प्रयोग से अत्यंत छोटे धूल कण PM-10 उत्पन्न होते हैं। जो श्वास प्रकिया में फेफड़ों के भीतर तक प्रवेश करके कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं जैसे सांस रोग, दमा, ब्रोंकाइटिस, कैंसर आदि उत्पन्न करते हैं। निर्माण क्षेत्रों पर चलने वाले वाहनों, भारी यंत्रों और अन्य उपकरणों का चलना ध्वनि प्रदूषण के मुख्य स्रोत हैं। ध्वनि प्रदूषण से सुनने की क्षमता का क्षय, उच्च रक्त चाप, अनिद्रा और तनाव उत्पन्न होता है। ध्वनि प्रदूषण जानवरों की प्राकृतिक प्रक्रियाओं को भी प्रभावित करता है। इस प्रकार निर्माण सामग्रियाँ पर्यावरण के लिये अत्यन्त हानिकारक पाई गई हैं। लेकिन देश को विकसित करने के लिये औद्योगिकीकरण भी अनिवार्य है। इसलीये यह ध्यान रखने की आवश्यकता है, कि इस सब के लिये प्राकृतिक संसाधनों के साथ इस हद तक छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिये जिससे कि मानव के स्वयं के अस्तित्व के लिये संकट उत्पन्न हो जाए।

आकाश अहिरे

Gauri Chawdhary

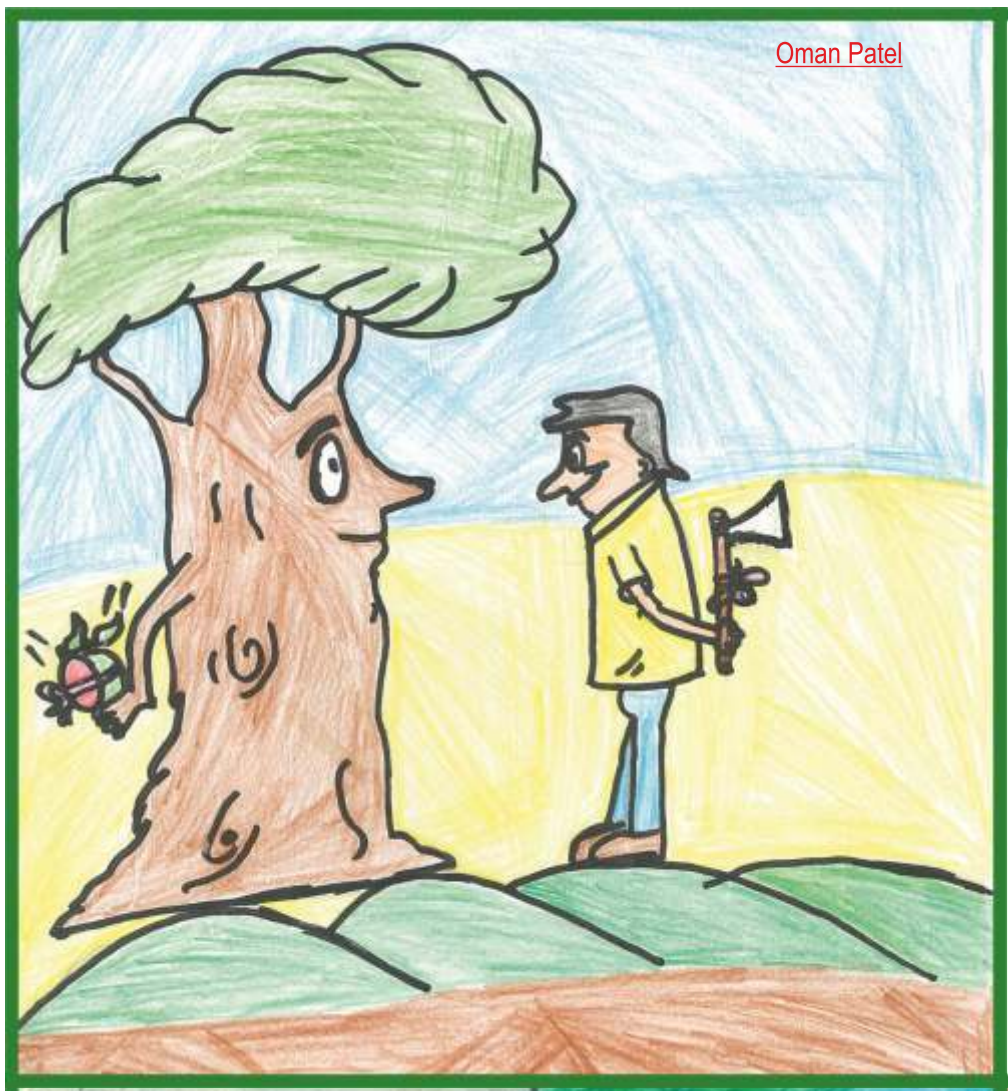
Oman Patel

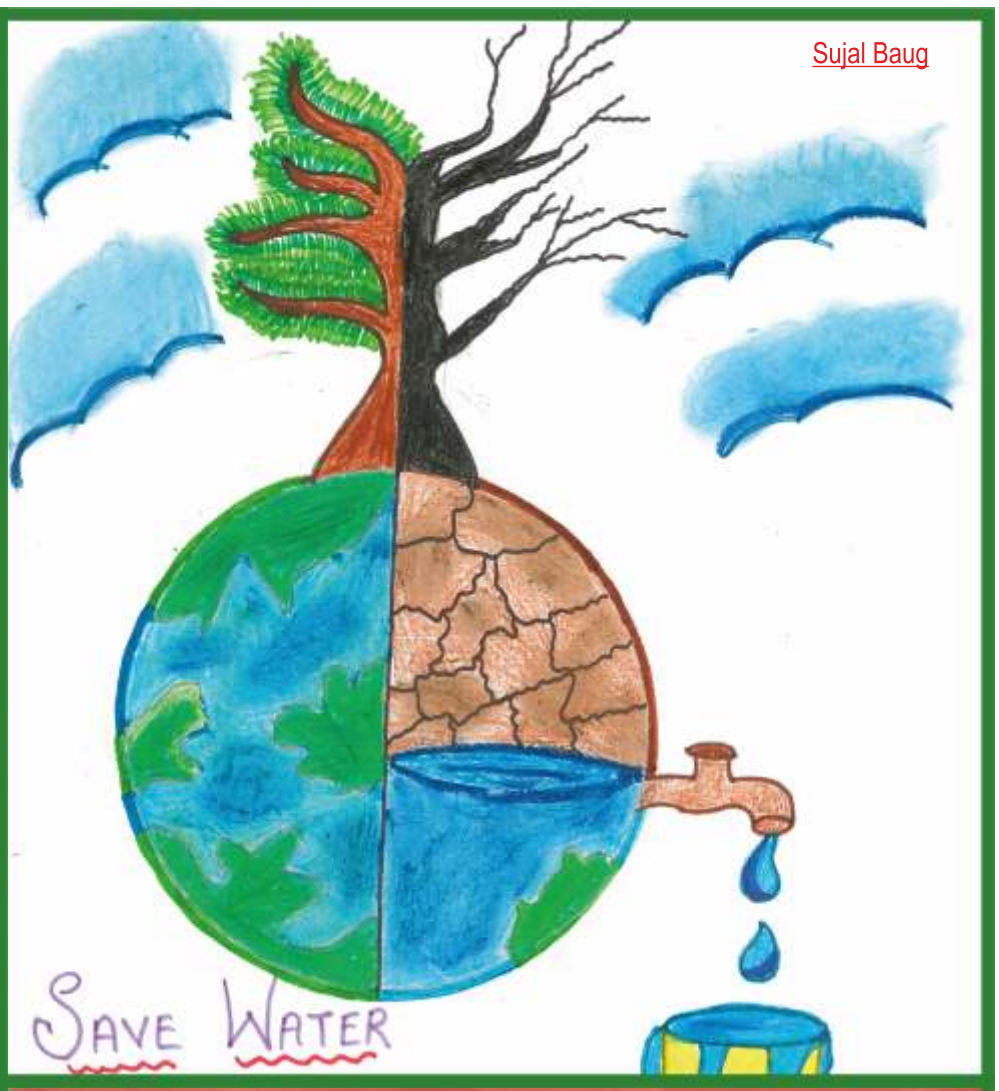

Sujal Baug

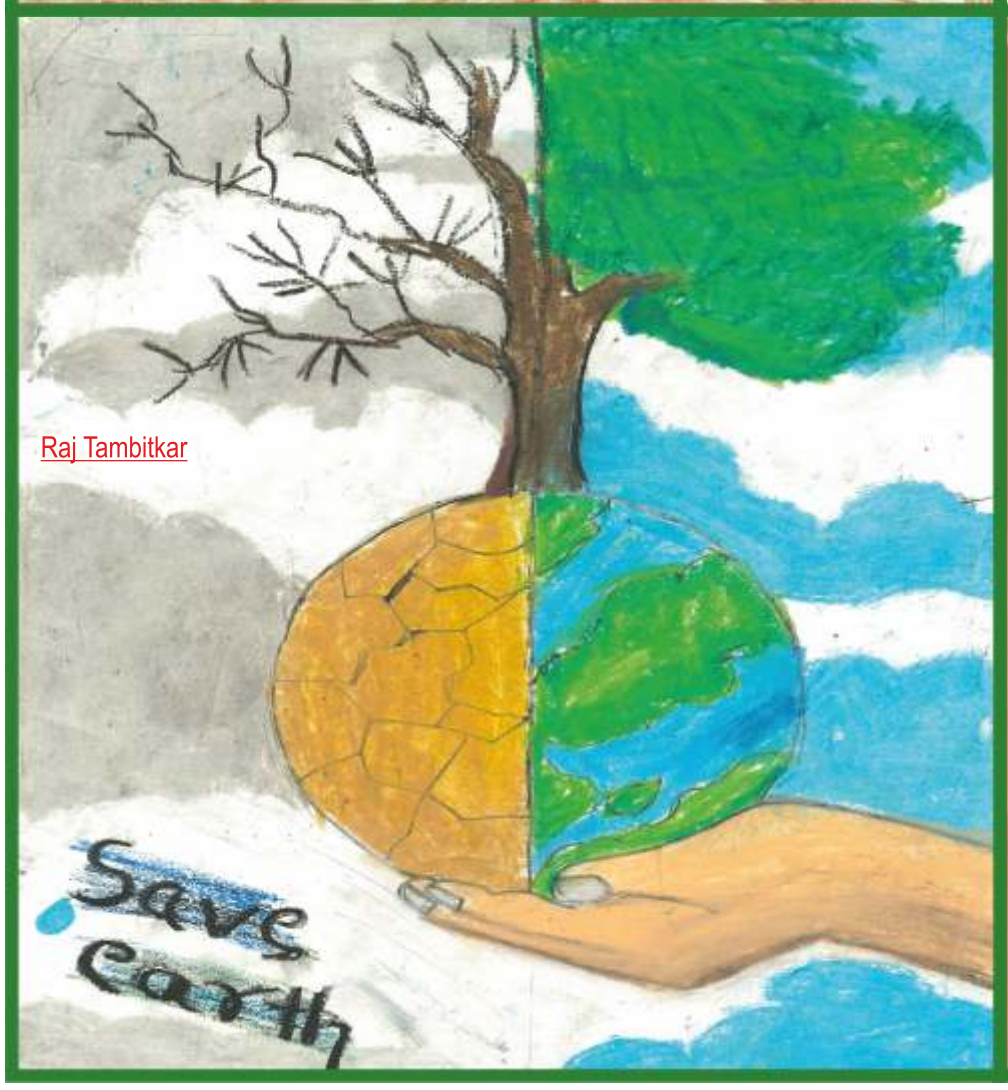

Raj Tambitkar

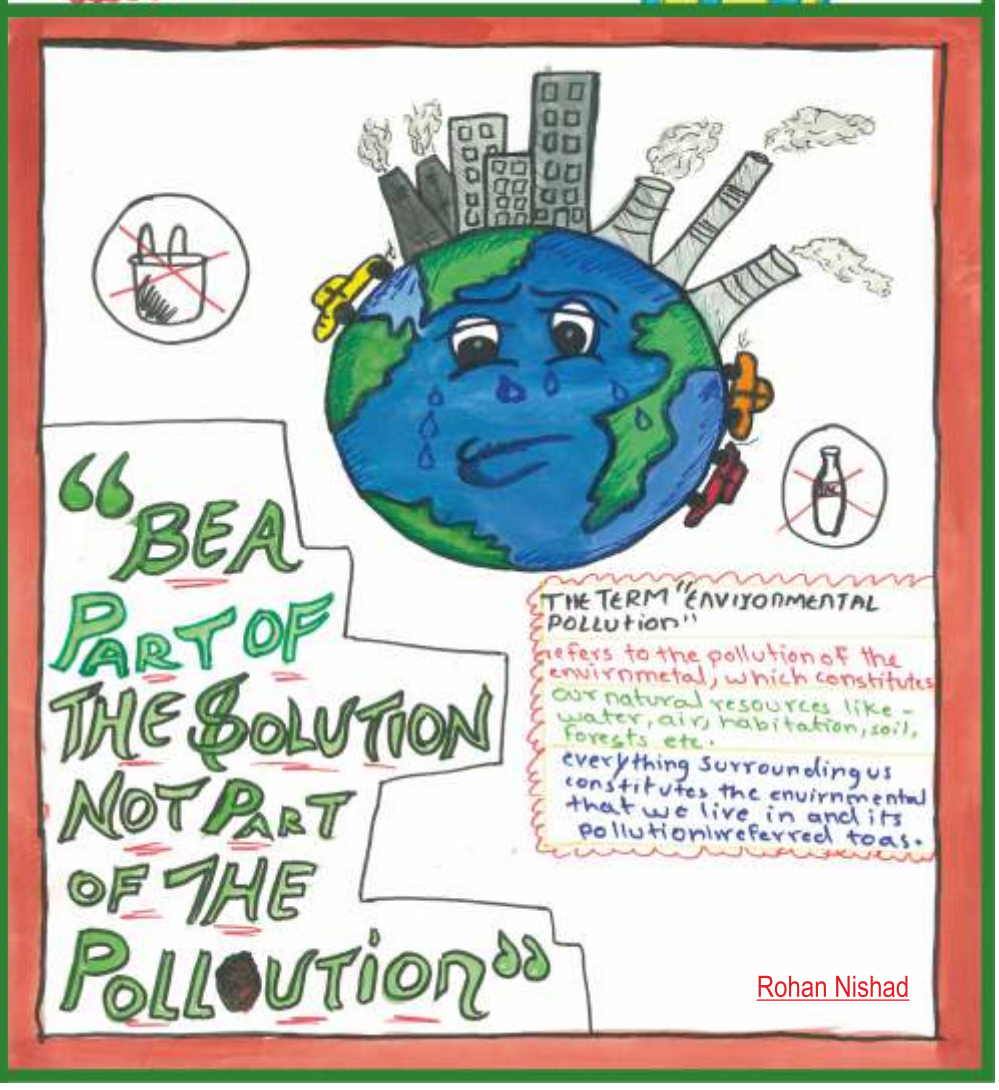

Rohan Nishad

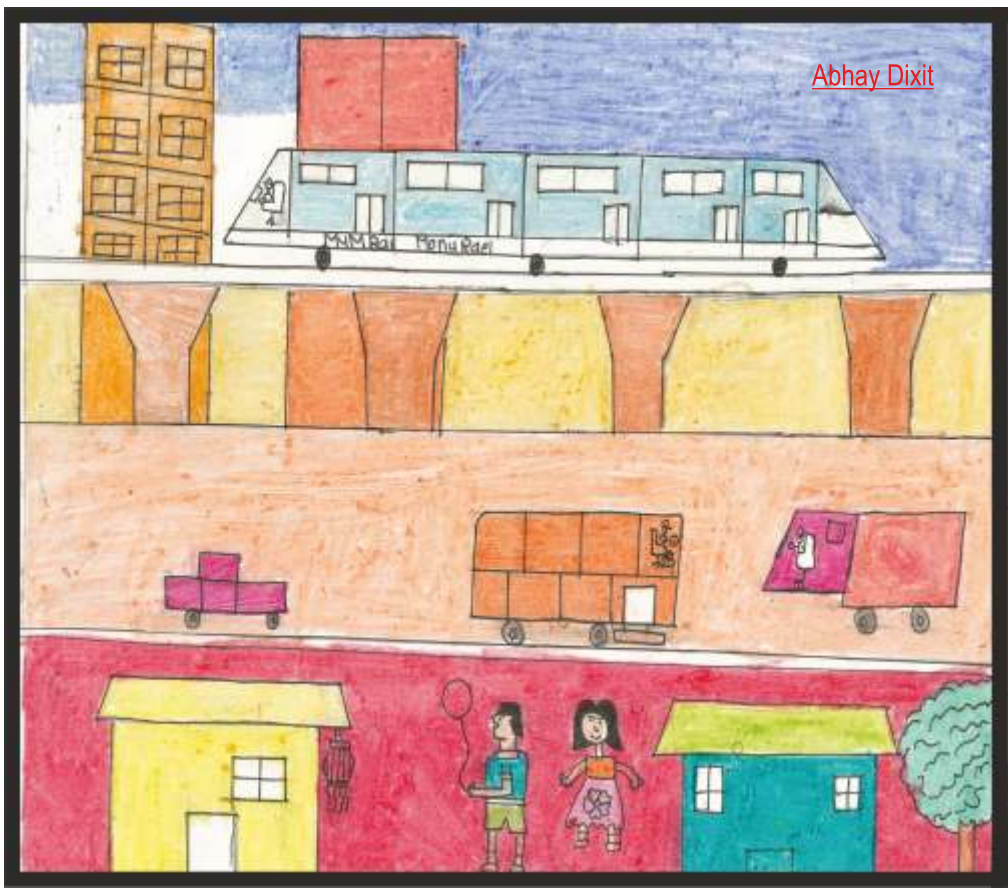

पर्यावरण और विकास

पर्यावरण और विकास एक दुसरे से परस्पर जुड़े हुए है। एक व्यक्ति पर्यावरण पर विचार किये बिना विकास के बारे मे सोच नहीं सकता। विकास एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है हलाकि हर विकास के अपने सकारात्मक नतीजे होते है। पर्यावरण का ख्याल रखना जरुरी है, अगर बिना पर्यावरण की परवाह किये विकास किया गया तो पर्यावरण पर इससे नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न होंगे। जिससे मानव जाती,जिव-जंतु पर भी हानिकारक प्रभाव होगा। पर्यावरण है तो हम है, अगर दुनिया मे हमें जीना है, तो हमे पर्यावरण को ध्यान मे रखते हुए कदम बढ़ाने होंगे।

नितेश भोजिया

झाडे लाव आणि झाडे जगव

Raap song

मेरा भाय मेरा भाय, तुला समजत का नाय.
तू झाड़ अशी कापतो, तुला लाज कशी नाय.
तुला स्वताच्या जिवाची काळजिच नाय.
ज्याने तुला दिला होता ऑक्सीजन,
घेतो कशाला त्या वृक्षांचे जीवन.
कमी ऑक्सीजन ,वाढतो पोलूशन
ओझोन थराचा तूच आहेस कारण.
तुझ्या जिवाचा अर्थ,त्यांच जीवन व्यर्थ.
त्यांना नाही सरक्षण,तू देतो का टेंशन.
मुंबई मध्ये खुप आहे *confusion*
global warming, *air pollution*, आणि *deforestation*.
प्रॉब्लम वर प्रॉब्लम,
प्रॉब्लम वर भेटला एक सोलूशन,
झाडे लाव आणि झाडे जगव.
save the earth, save the life-

राहुल सोनावणे

"The Savli project lead by Karunya Trust aims to provide a safety net of education, vocational training and health care to hundreds of children who are deprived of basic necessities and development opportunities. It also focused on financial aids to their families through vocational and income generation programs. I feel immensely proud to be part of this wonderful project.

Most engagement activities are self led by core CP team. This team was formed by chosing kids from among Savli group. They along with NGO's and volunteers conduct year round development activities to involve and improve leadership qualities, artistic and creative talents of the entire group. Last month the CP team single handedly organised a one day camp for the children. Wow! ! their leadership and co-ordination was unimaginable. Dear children, keep it up! We all are with you.

Let's give a big shout out to this young bunch of talented stars to lead the way and help the project be a huge success

Mrs. Thankamma xavier
Savli Volunteer

"I would like to take this opportunity to thank Karunya Trust for their beautiful initiative called Savli.

I have been their support to the children surely helps them to aspire more in their lives.

Especially talking about the child parliament concept that helps the children to know more about the challenges of society and how a small change by them in the system can also make a big impact. They are boosted with several activities, drives, sessions, visits to government places, picnics and many more things that help them to communicate freely with the society at their tender age.

They have meetings where they come together and think together as one unit. each one puts forth their ideas and they make up policies and also plans to execute them.

Savli helps them to be better individual by mentoring them and molding them to be good citizens and just not good but more importantly responsible one although they have so limited time with them they utilize them to the fullest.

I am happy to be part of such a family from the past 4 years where they make sure they bring about a change in the society and they actually do it.

Thank you Clinto and Savli team for your efforts.

All the projects of Karunya trust keep on depicting the true meaning "service to God is service to mankind."

And have showed me that "A life lived for others is worth living"

Thank you.

Jojo Joy Tholath
Savli Volunteer

THANK YOU **KARUNYA TRUST** AND **DEUTSCHE BANK** FOR SUPPORTING AND MOTIVATING US TO LAUNCH OUR FIFTH EDITION OF "THE TAKE OFF". LOOKING FORWARD FOR YOUR SUPPORT IN OUR FUTURE ENDEAVOR...

KARUNYA TRUST CHILDREN PARLIAMENT FEDERATION